पंजाब केसरी 03/04/2026

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में 'ऑटिज्म स्पैक्ट्रम डिसऑर्डर' विषय पर हुई कार्यशाला

ऑटिज्म को समझने और स्वीकार करने की जरूरत : डॉ. रोहित दत्त

अम्बाला, 2 अप्रैल (बलराम): छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के अवसर पर वीरवार को 'ऑटिज्म स्पैक्ट्रम डिसऑर्डर' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन मनोविज्ञान विभाग, मैंटल हैल्थ क्लब, साइकोलॉजिकल काऊंसलिंग सैंटर, स्टूडैंट सर्विस सैंटर और नैशनल टास्क फोर्स के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने कहा कि ऑटिज्म को समझने और स्वीकार करने की जरूरत है। ऑटिज्म वाले व्यक्ति अक्सर अत्यधिक संवेदनशील, कल्पनाशील और तर्कसंगत होते हैं। उनकी क्षमता को पहचानना और उन्हें सही अवसर प्रदान करना हमारा कर्तव्य है। डॉ. दत्त ने कार्यशाला में मुख्य वक्ता चंद्रहास का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी प्रस्तुति ने कॉलेज के विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को बहुत कुछ सिखाया है। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य ऑटिज्म स्पैक्ट्रम डिसऑर्डर के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इसके प्रभावों को समझना है। चंद्रहास के अनुभव और ज्ञान से हमें बहुत कुछ सीखने को मिला।

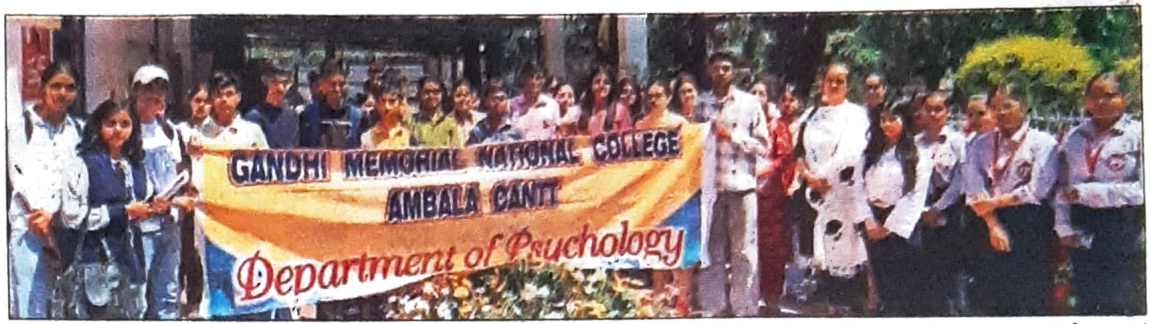

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में 'ऑटिज्म स्पैक्ट्रम डिसऑर्डर' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विशेषज्ञ एवं विद्यार्थी। (चंदमोहन)

इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता चंद्रहास ने ऑटिज्म स्पैक्ट्रम डिसऑर्डर की पांच केस स्टडी प्रस्तुत की। उनकी प्रस्तुति ने गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज और गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज ऑफ नर्सिंग के संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों को बहुत प्रभावित किया। विद्यार्थियों ने ऑटिज्म स्पैक्ट्रम डिसऑर्डर से पीड़ित छह छात्रों से सीधे सवाल पूछे, जिससे मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर लोगों की गलत धारणाएं दूर हुईं। इन विद्यार्थियों के अभिभावकों ने भी दर्शकों से बातचीत की और अपनी भावनाओं और चुनौतियों को व्यक्त किया। मनोवैज्ञानिक संजीव कुमार ने ऑटिज्म के क्षेत्र में हुए नए विकासों के बारे में बात की।

मनोविज्ञान विभाग प्रमुख डॉ. अनुपमा सिहाग ने कहा कि बच्चों में ऑटिज्म का आकलन विकासात्मक स्क्रीनिंग, विशेषज्ञों द्वारा व्यवहार संबंधी अवलोकन, ऑटिज्म रेटिंग स्केल और माता-पिता या देखभाल करने वालों के साथ व्यापक साक्षात्कार के संयोजन के माध्यम से किया जाता है। इस अवसर पर डॉ. शिखा जग्गी, डॉ. मीनू राठी, लैब अटैंडैंट अनिल कुमार आदि उपस्थित थे।